DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 March, 2024

स्टेनलेस स्टील क्षेत्र में भारत का पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र

संदर्भ: *केंद्रीय इस्पात और नागरिक उड्डयन मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, हिसार स्थित स्टेनलेस स्टील सेक्टर में भारत के पहले ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का उद्घाटन किया।*

➢ **राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (NGHM):**

- इसका लक्ष्य भारत को इस्पात क्षेत्र में शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में परिवर्तित करना एवं दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा इस्पात उत्पादक देश बनाना है।
- ₹20,000 करोड़ के साथ लॉन्च किए गए NGHM का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।
- इस्पात क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2029-30 तक ₹500 करोड़ के बजट के साथ NGHM से समर्थन प्राप्त है।

➢ **उद्योग परिवर्तन:**

- सरकार की स्थिरता के अनुरूप, भारत के पहले ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र को चालू करने के लिए हाइजेनको और जिंदल स्टेनलेस की सराहना की जा रही है।
- यह परियोजना जिम्मेदार औद्योगिक प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए रोजगार के अवसर उत्पन्न करती है।
- यह पहल उद्योग हितधारकों से स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आग्रह करती है, जो हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत की यात्रा में योगदान देता है।

➢ **सरकारी पहल/प्रयास:**

- राष्ट्रीय हरित नीतियां और 13 कार्य बल हरित इस्पात उत्पादन को प्रोत्साहन प्रदान करते हैं।
- स्टील स्क्रैप रीसाइक्लिंग नीति के कार्यान्वयन से घरेलू स्तर पर उत्पन्न स्क्रैप की उपलब्धता बढ़ती है।
- अन्य हितधारकों से विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और स्थायी इस्पात उद्योग के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया गया है।

➢ **परियोजना विवरण:**

- यह परियोजना स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए दुनिया के पहले ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट को बढ़ावा देती है, जो छत और फ्लोटिंग सोलर को एकीकृत करता है।
- इसका लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाना है, जिसका लक्ष्य सालाना लगभग 2,700 मीट्रिक टन और दो दशकों में 54,000 टन CO_2 उत्सर्जन में कटौती करना है।

➢ **स्टेनलेस स्टील:**

- स्टेनलेस स्टील लोहे और कार्बन का एक मिश्र धातु है, जिसमें न्यूनतम 10.5% क्रोमियम और 1.2% से कम कार्बन होता है, साथ ही निकल और मोलिब्डेनम जैसे अन्य मिश्र धातु तत्व होते हैं।
- ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर, स्टेनलेस स्टील एक सुरक्षात्मक क्रोमियम ऑक्साइड परत बनाता है, जो स्वयं की मरम्मत करता है, जिससे संक्षारण प्रतिरोध सुनिश्चित होता है।
- यह एक चमकदार, रंगा हुआ, विभिन्न सतह पर फ़िनिशिंग प्रदान करता है, जो इसे वास्तुकला और डिज़ाइन में लोकप्रिय बनाता है।
- स्टेनलेस स्टील मजबूत यांत्रिक गुणों का दावा करता है, जिसमें लचीलापन, लोच और कठोरता का संयोजन होता है, जो विभिन्न धातु बनाने की प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त है।
- यह उत्कृष्ट अग्नि प्रतिरोध प्रदर्शित करता है, साथ ही 800 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर भी संरचनात्मक अखंडता बनाए रखता है।
- स्टेनलेस स्टील के संक्षारण प्रतिरोध का श्रेय क्रोमियम ऑक्साइड की निष्क्रिय परत को दिया जाता है जो इसकी सतह पर प्राकृतिक रूप से बनती है और खरोंच लगने पर पुनर्जीवित हो जाती है।
- सामान्य डिटर्जेंट से स्टेनलेस स्टील को साफ करना आसान है, और यह खाना पकाने के बर्तन जैसी वस्तुओं के लिए स्वच्छता मानकों को पूरा भी करता है।
- स्टेनलेस स्टील अत्यधिक पुनर्चक्रण योग्य है, निर्माण में लगभग 100% पुनर्प्राप्ति दर के साथ, यह इसे पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ भवन अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त बनाता है।

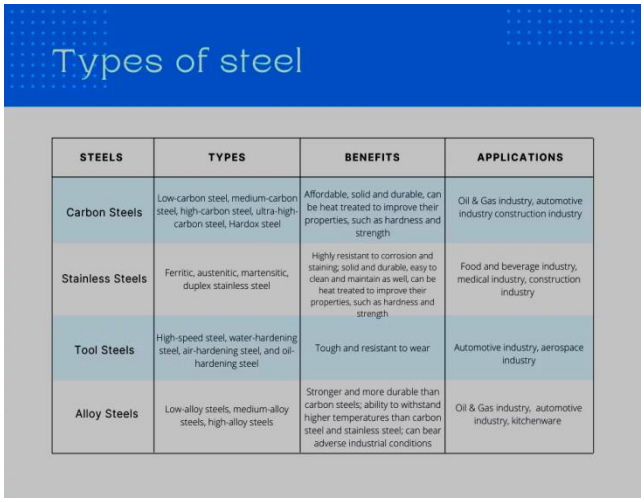

वेनिस बिएननेल (Venice Biennale)

संदर्भ: *वेनिस बिएननेल का 60वां संस्करण, जिसे अक्सर "**कला जगत का ओलंपिक**" कहा जाता है, जो आगामी 20 अप्रैल को शुरू होने वाला है।*

➢ यह अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, जिसे "कला जगत का ओलंपिक" कहा जाता है, वैश्विक ध्यान और प्रतिष्ठा आकर्षित करती है।

➢ एड्रियानो पेड्रोसा (Adriano Pedros) द्वारा क्यूरेटेड, 2024 संस्करण में 333 कलाकार "स्ट्रानिएरी ओवुंके (Stranieri Ovunqu)" या "फॉरेनर्स एवरीव्हेयर (Foreigners Everywher)" थीम की खोज कर रहे हैं।

➢ प्रतिभागियों में भारतीय कलाकार और एक सार्वजनिक समूह शामिल है, जो समकालीन कलात्मकता के विविध प्रदर्शन को उल्लेखित करता है।

➢ **वेनिस बिएननेल की पृष्ठभूमि:**

- 1895 में स्थापित, वेनिस बिएननेल इतालवी राजघराने की रजत जयंती के उत्सव के रूप में शुरू हुआ।
- पिछले कुछ वर्षों में, यह एक प्रमुख कला कार्यक्रम के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें सालाना छह लाख से अधिक आगंतुक आते हैं।

➢ **ऐतिहासिक उत्पत्ति:**

- वर्ष 1893 में वेनिस शहर द्वारा सरकार के प्रस्ताव से उत्पन्न, बिएननेल का उद्देश्य सेवॉय के राजा अम्बर्टो प्रथम (Umberto I) और रानी मार्गेरिटा (Queen Margherita) का सम्मान करना था।
- वर्ष 1895 में उद्घाटन प्रदर्शनी ने दो लाख से अधिक आगंतुकों को आकर्षित किया, जिसमें विदेशी और इतालवी कलाकारों की कृतियों का प्रदर्शन किया गया।
- प्रारंभिक संस्करणों में विशिष्ट क्यूरेटोरियल विषयों का अभाव था, लेकिन बाद के द्विवार्षिक सम्मेलन ने कला अन्वेषण के लिए विषयगत दृष्टिकोण को अपनाया।

➢ **द्विवार्षिक का प्रारूप:**

- वेनिस बिएननेल सात महीने तक चलता है और इसमें केंद्रीय मंडप, राष्ट्रीय मंडप और संपार्श्विक कार्यक्रमों सहित विभिन्न घटक शामिल होते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- कलात्मक निर्देशक द्वारा क्यूरेट किया गया केंद्रीय मंडप मुख्य प्रदर्शनी स्थल के रूप में कार्य करता है, जिसमें चयनित कलाकृतियाँ और कलाकार शामिल होते हैं।
- अलग-अलग देशों द्वारा प्रबंधित राष्ट्रीय मंडप, उनके कलात्मक योगदान को प्रदर्शित करते हैं, जो अक्सर उनकी सांस्कृतिक पहचान और कलात्मक विरासत को दर्शाते हैं।
- शब्द "बिएननेल" प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित होने वाली बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी को दर्शाता है, जो समकालीन विचारों की खोज के लिए एक मंच प्रदान करता है।

➢ **भारत की भागीदारी:**

- वेनिस बिएननेल में भारत की प्रारंभिक भागीदारी 1954 में हुई, जो भारतीय दूतावास की पहली आधिकारिक प्रदर्शनी थी।
- इसके बाद के संस्करणों में दयानिता सिंह, रियास कोमू और मृणालिनी मुखर्जी जैसे भारतीय कलाकारों ने देश की विविध कलात्मक प्रतिभा को उजागर किया।
- वर्ष 2005 में "आईकॉन: इंडिया कंटेम्परारी" और 2015 में "माई ईस्ट इज योर वेस्ट" सहित समवर्ती कार्यक्रमों ने अंतर-सांस्कृतिक संवाद और कलात्मक आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की।

➢ **उल्लेखनीय प्रदर्शनियाँ:**

- ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित वर्ष 2011 प्रदर्शनी में जरीना हाशमी और गीगी स्कारिया जैसे प्रसिद्ध भारतीय कलाकारों की अपनी - अपनी कृतियाँ प्रदर्शित की गईं।
- वर्ष 2019 के भारतीय मंडप ने उनके जीवन और विरासत का प्रतिनिधित्व करने वाली कलाकृतियों के क्यूरेटेड चयन के माध्यम से महात्मा गांधी के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।

➢ **2024 में भारत की उपस्थिति:**

- राम कुमार, एसएच रज़ा और जामिनी रॉय सहित भारतीय कलाकार एड्रियानो पेड्रोसा द्वारा आयोजित केंद्रीय प्रदर्शनी में योगदान देते हैं।
- ट्रांस और सीआईएस महिलाओं के नेतृत्व में अरवानी कला परियोजना, समकालीन भारतीय कलात्मकता का प्रतिनिधित्व करती है, जो द्विवार्षिक की विविध पेशकशों में एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य जोड़ती है।

भारत में तेंदुओं की स्थिति, 2022

संदर्भ: *केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी 'भारत में तेंदुओं की स्थिति, 2022' रिपोर्ट के अनुसार देश में तेंदुओं की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2018 में 12,852 की तुलना में अनुमानित 13,874 तक पहुंच गई है।*

➢ **भारत में तेंदुए की आबादी का अवलोकन:**

- भारतीय तेंदुए, भारत, नेपाल, भूटान और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के जंगलों में रहने वाले शीर्ष शिकारी, पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- मध्य भारत और पूर्वी घाट में सबसे अधिक तेंदुए (8,820) पाए जाते हैं, इसके बाद पश्चिमी घाट (3,596), और शिवालिक पहाड़ियाँ और गंगा के मैदान (1,109) में पाए जाते हैं।
- तेंदुओं की संख्या (3,907) के मामले में मध्य प्रदेश सबसे आगे है, इसके बाद महाराष्ट्र (1,985), कर्नाटक (1,879), और तमिलनाडु (1,070) का स्थान है।
- समग्र जनसंख्या वृद्धि में मामूली वृद्धि के बावजूद, अवैध शिकार जैसे चल रहे खतरों के कारण यथास्थिति बनाए रखना संतोषजनक माना जाता है।

➢ **कुछ क्षेत्रों में तेंदुओं की कमी:**

- तेंदुओं के संदर्भ में शिवालिक पहाड़ियों और गंगा के मैदानी क्षेत्रों में 3.4% की वार्षिक गिरावट देखी गई, जो 2018 में 1,253 से घटकर 2022 में 1,109 हो गई।
- ओडिशा, उत्तराखंड, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, बिहार और गोवा जैसे राज्यों ने भी तेंदुओं की जनसंख्या में कमी की सूचना दी है।
- इन कमी में योगदान देने वाले कारकों में निवास स्थान का नुकसान, अवैध शिकार, सड़क दुर्घटनाएं और बाघों की आबादी में वृद्धि शामिल है, जो विशेष रूप से उत्तराखंड में रामनगर वन प्रभाग जैसे क्षेत्रों को प्रभावित कर रहे हैं।

➢ **बाघ संरक्षण प्रयासों से लाभ:**

- बाघ संरक्षण उपाय अनजाने में तेंदुए की आबादी में वृद्धि का समर्थन करते हैं, विशेष रूप से मध्य भारत और पूर्वी घाट में, जहां तेंदुए की आबादी सबसे अधिक है।
- बाघ संरक्षण के लिए लागू किए गए सुरक्षात्मक उपाय बाहरी संरक्षित क्षेत्रों की तुलना में टाइगर रिजर्व में तेंदुए के घनत्व को बढ़ाने में योगदान करते हैं।
- मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बेहतर शिकार प्रबंधन तेंदुओं की संख्या बढ़ाने में सहायक है।

➢ **तेंदुआ-मानव संघर्ष:**

- तेंदुओं की विभिन्न आवासों के प्रति अनुकूलन क्षमता के कारण मनुष्यों के साथ इसका संघर्ष बढ़ जाता है, विशेषकर शिवालिक क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में जहां तेंदुओं की 65% आबादी संरक्षित क्षेत्रों के बाहर रहती है।
- महाराष्ट्र और कर्नाटक में सबसे अधिक संख्या में घातक हमले और मानव-तेंदुआ मुठभेड़ की सूचना मिली है, जिसका मुख्य कारण मानव गतिविधियों द्वारा उनके निवास स्थान का नुकसान किया जाना शामिल है।
- केरल, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु को भी महत्वपूर्ण मानव-तेंदुए संघर्ष का सामना करना पड़ता है, जिसका कारण आवास अतिक्रमण और भूमि उपयोग परिवर्तन जैसे कारक देखे गए हैं।

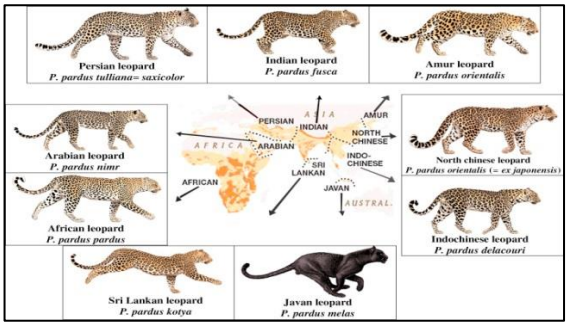

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव

युवा मामले और खेल मंत्रालय नई दिल्ली में संसद के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के फाइनल (तीसरे संस्करण) का आयोजन कर रहा है।

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के बारे में:

- राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव (एनवाईपीएफ) एक सरकारी पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं को सार्वजनिक मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।
- यह महोत्सव प्रधानमंत्री द्वारा अपने मन की बात संबोधन में दिए गए विचार पर आधारित है।
- यह उत्सव 9 फरवरी से 6 मार्च तक चलता है समापन समारोह 6 मार्च को निर्धारित है।
- 2024 के उत्सव का विषय **'युवा आवाज़ें: राष्ट्र के परिवर्तन के लिए जुड़ाव और सशक्तिकरण'** है।
- युवा संसद तीन स्तरों पर आयोजित की जाती है, जिसमें देश भर के 785 जिले शामिल हैं।
- जिला युवा संसद 9 फरवरी से 14 फरवरी तक आयोजित की गई।
- जिला युवा संसद के विजेताओं ने 19 से 24 फरवरी तक राज्य युवा संसद में भाग लिया।
- 87 राज्य-स्तरीय विजेता राष्ट्रीय युवा संसद के फाइनल के लिए नई दिल्ली में एकत्रित होंगे, जिनमें से 29 दिए गए विषयों पर बोलेंगे।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 March, 2024

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

हाल ही में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के दक्षिणी क्षेत्र ने हैदराबाद में अपने मुख्यालय में अपना 174वां स्थापना दिवस मनाया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बारे में:

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) एक वैज्ञानिक एजेंसी है जो भारत का भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन करती है।
- इसकी स्थापना 1851 में खान मंत्रालय के तहत भारत सरकार के संगठन के रूप में की गई थी।
- यह दुनिया के सबसे पुराने संगठनों में से एक है और 1767 में सर्वे ऑफ इंडिया के बाद भारत का दूसरा सबसे पुराना सर्वेक्षण है।
- प्रारंभ में कोयला अन्वेषण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जीएसआई ने सर थॉमस ओल्डम के नेतृत्व में अपने दायरे का विस्तार किया, जिसमें चट्टान के प्रकार, भूवैज्ञानिक संरचनाओं और विभिन्न प्रकार की चट्टानों की सापेक्ष आयु का मानचित्रण शामिल किया गया।
- 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में, जीएसआई ने भारतीय भूकंपों पर विस्तृत रिपोर्ट के माध्यम से भूकंप विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- 2017 में, जीएसआई ने खनिज भंडार का पहला हवाई सर्वेक्षण शुरू किया, जिसमें विशेष रूप से सुसज्जित विमानों का उपयोग करके 20 किमी की गहराई तक खनिज भंडार का मानचित्रण किया गया।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) सुरक्षा और रखरखाव के लिए भू-विरासत स्थलों/राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारकों को नामित करता है।
- इन साइटों में भू-अवशेष, स्ट्रैटिग्राफिक प्रकार के खंड, भूवैज्ञानिक संरचनाएं, भू-आकृतिक भू-आकृतियां और निकटवर्ती भूमि शामिल हैं।

कार्ल-गुस्ताफ एम4 हथियार

हाल ही में स्वीडिश रक्षा प्रमुख साब ने औपचारिक भूमि-पूजन समारोह के साथ अपने प्रतिष्ठित कार्ल-गुस्ताफ एम4 हथियारों के लिए हरियाणा के मेट सिटी में अपनी नई विनिर्माण सुविधा का निर्माण शुरू किया।

कार्ल-गुस्ताफ एम4 हथियार:

- कार्ल-गुस्ताफ एम4 भारतीय सेना द्वारा कंधे से लॉन्च की जाने वाली हथियार प्रणाली है।
- यह एक बहुउद्देश्यीय, हल्का और उच्च प्रभाव वाला हथियार है जो सभी वातावरणों में प्रभावी है।
- यह एक रिकॉइललेस राइफल है जो 1976 से सेवा में है।
- यह विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद का उपयोग करता है, जिसमें एंटी-आर्मर, एंटी-स्ट्रक्चर, मल्टी-रोल, एंटी-कार्मिक और धुआं और रोशनी जैसे सहायक राउंड शामिल हैं।
- यह प्रणाली मानक क्लिप-ऑन टेलीस्कोपिक दृष्टि से जुड़ी हुई है, जिसमें अतिरिक्त विकल्प शामिल हैं, जैसे ओपन साइट, रेड डॉट साइट और उन्नत अग्नि नियंत्रण उपकरण।

सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज)

हालिया शोध से पता चलता है कि सिर्फ एक साल के शिशु का आहार भविष्य में सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज) के विकास के जोखिम को प्रभावित कर सकता है।

सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज) के बारे में:

- सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज) पाचन तंत्र की आंतरिक परत में सूजन की समस्या से संबंधित विकारों को संदर्भित करता है।
- सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज) के दो मुख्य प्रकार हैं: अल्सरेटिव कोलाइटिस जो बड़ी आंत और मलाशय को प्रभावित करती है और दूसरी क्रोहन रोग जो मुख्य रूप से छोटी आंत को प्रभावित करती है।
- सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज) के विकास या बिगड़ने में योगदान करने वाले कारकों में आहार, आयु, पारिवारिक इतिहास, सिगरेट पीना और कुछ दवाएं शामिल हैं।
- बदलते आहार पैटर्न को सूजन आंत्र रोग (इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज) के बदलते प्रचलन पैटर्न से जोड़ा गया है, जिसमें प्रसंस्कृत भोजन के सेवन को अधिक घटनाओं से जोड़ा गया है।
- शैशवावस्था में सब्जियों और मछली का अधिक सेवन भविष्य के कम जोखिम से जुड़ा हुआ है, जबकि मीठा युक्त पेय पदार्थों का सेवन अधिक जोखिम से जुड़ा हुआ है।
- रोकथाम के उपायों के सुझावों में फलों, सब्जियों और मछली से भरपूर आहार अपनाना शामिल है, साथ ही मीठा युक्त पेय पदार्थों का सेवन कम से कम करना शामिल है।

राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र

हाल ही में, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (एनडीआरसी) का उद्घाटन किया गया।

राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र के बारे में:

- राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन के संरक्षण पर अनुसंधान के लिए भारत का पहला केंद्र है जो बिहार के पटना में गंगा नदी के करीब स्थित है।
- यह चालू है और इसका उद्देश्य गंगा डॉल्फ़िन पर व्यापक अध्ययन करने में वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की सहायता करना है।
- एनडीआरसी में अनुसंधान विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है जैसे बदलते व्यवहार, जीवित रहने के कौशल, भोजन की आदतें, मृत्यु के कारण आदि।
- केंद्र मछली पकड़ने की गतिविधियों के दौरान मछुआरों को डॉल्फिन संरक्षण पर प्रशिक्षण भी प्रदान करता है, जो व्यापक संरक्षण प्रयासों में योगदान देता है।
- परियोजना को 2013 में मंजूरी मिली और राज्य शहरी विकास विभाग से मंजूरी मिलने के बाद निर्माण शुरू होने से पहले देरी का सामना करना पड़ा।

गंगा नदी डॉल्फिन:

- गंगा नदी डॉल्फ़िन एक मीठे पानी की प्रजाति है और विश्व स्तर पर पाई जाने वाली कुछ नदी डॉल्फ़िनों में से एक है।
- यह नेपाल, भारत और बांग्लादेश में गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगु नदी प्रणालियों में पाई जाती है।
- यह यांग्त्ज़ी नदी (अब विलुप्त), सिंधु नदी और अमेज़ॅन नदी में पाई जाने वाली वैश्विक स्तर पर चार मीठे पानी की डॉल्फ़िन प्रजातियों में से एक।
- इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है, जिनमें ब्लाइंड डॉल्फिन, गंगा डॉल्फिन, गंगा सुसु, हिहू, साइड-स्विमिंग डॉल्फिन और दक्षिण एशियाई नदी डॉल्फिन शामिल हैं।
- इसे वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अनुसूची-I जानवर के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ द्वारा लुप्तप्राय प्रजाति घोषित किया गया है।
- यह भारत में अनुमानित 3,000 गंगा डॉल्फ़िन में से लगभग आधी बिहार में पाई जाती हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 March, 2024

सूखी बर्फ

हाल ही में, हरियाणा के गुड़गांव में गलती से माउथ फ्रेशनर के रूप में 'सूखी बर्फ' परोसे जाने के बाद पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सूखी बर्फ के बारे में:

- सूखी बर्फ कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का ठोस रूप है जो गैसीय कार्बन डाइऑक्साइड को संपीड़ित और ठंडा करके बनाया जाता है।
- यह एक घातक पदार्थ है जिसे कभी भी छूना या निगलना नहीं चाहिए क्योंकि यह त्वचा और आंतरिक अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।
- -78.5°C (-109.3°F) के बेहद कम तापमान के कारण सूखी बर्फ के संपर्क में आने से रासायनिक जलन और शीतदंश हो सकता है।
- सूखी बर्फ के अंतर्ग्रहण या साँस लेने से श्वसन संबंधी समस्याएं और संभावित रूप से घातक कार्बन डाइऑक्साइड विषाक्तता हो सकती है।
- इसे प्रायः यांत्रिक शीतलन की आवश्यकता के बिना आइसक्रीम और जमे हुए डेसर्ट जैसे खाद्य पदार्थों को संरक्षित करने के लिए शीतलन एजेंट के रूप में उपयोग किया जाता है।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) जैसे नियामक निकाय खाद्य सेवा प्रतिष्ठानों में सूखी बर्फ के सुरक्षित संचालन के संबंध में चेतावनी और दिशानिर्देश जारी करते हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस राज्य सरकार ने राज्य जल सूचना केंद्र (SWIC) की स्थापना की घोषणा की? – **ओडिशा**
- सिंदरी उर्वरक संयंत्र, जो हाल ही में खबरों में है, किस राज्य में स्थित है? – **झारखंड**
- हाल ही में किस राज्य ने AB-PMJAY के तहत पांच करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी करने की उपलब्धि हासिल की है और ऐसा करने वाला पहला राज्य बन गया है? – **उत्तर प्रदेश**
- अमराबाद टाइगर रिजर्व, जो हाल ही में खबरों में है, कहाँ स्थित है? – **तेलंगाना**
- नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (NPG) की 66वीं बैठक कहाँ आयोजित की गई? – **नई दिल्ली**